IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

उत्तराखंड मे सिखों का जनांकिकी अध्ययन

जनांकिकी Demography जनांकिकी (जनसंख्या शास्त्र) का अर्थ **जनांकिकी अंग्रेजी शब्द** 'Demography से बना है, यह शब्द ग्रीक भाषा का है | Demography **ग्रीक भाषां के दो शब्दों से मिलकर बना है। प्रथम शब्द**-Demas (डिमास) जिसका अर्थ होता है- मनुष्य (People) **और दूसरा शब्द है** - Grapho (ग्राफो) जिसका अर्थ होता है, (लिखना या अंकित करना). To Draw or write About People) **इस प्रकार**Demographyका शाब्दिक अर्थ हुआ- मनुष्य या जनता के विषय में लिखना या अंकित करना हुआ, **जैसा कि अशिले गुडलाई ने संक्षेप मे कहा है**' यह वह विज्ञान है, **जो मनुष्यो की संख्या के विषय में** अध्ययन करता है[1] |

भारत में पहली जनगणना वर्ष (1887) में लाई मेयो के काल मे हुई |दूसरी जनगणना (1891) में हुई, इसमें वर्तमान बर्मा के ऊपरी हिस्से, **कश्मीर और सिक्किम को भी शामिल किया गया** |तीसरी जनगणना के तहत (1901) ई0 मे वलूचिस्तान, राजपूताना, अंडमान-निकोबार, **बर्मा**, पंजाव और कश्मीर के सुदुर इलाकों को शामिल किया गया था | देश मे 15 वी०राष्ट्रीयजनगणना 2011 मे संपन्न हुई , भारतीय सविधान के अनुछेद246 मे देश की जनगणना **का दायित्व केंद्र** सरकार को सौपा गया है [2]|

भारत प्राचीन काल से ही विभिन्न धर्मो की उत्पत्ति का मूल केंद्र रहा है |**भारत अनेक धर्मो का देश है**, विश्व में सम्भवत ऐसा कोई देश नहीं है, **जहाँ भारत के समान धर्मो की विविधता तथा बहुल्यता पायी जाती है।**[3]**अनुयायियों की संख्या की दृष्टि से भारत के** चार प्रमुख मुख्य धर्म है,[हिन्दू, मुस्लिम, **सिक्ख**, ईसाई] संख्या की दृष्टि से जैन, बौद्ध, **और पारसी धर्मवलम्बीकम है।**

उत्तराखण्ड भारत का एक पर्वतीय राज्य है | **उत्तराखण्ड में जनसंख्या का वितरण बड़ा ही असमान है, क्योंकि यहाँ की भौगोलिक** स्थिति पर्वतीय क्षेत्र वाली है, जिस कारण **जनसंख्या** का वितरण **अत्यन्त क्षीण एवं विरल रूप में पाया जाता है**|[4] उत्तराखंड राज्य मे **अगरधर्म या अनुयायी के आधार पर जनसँख्या की बात करे तो** 2011 की जनगणना के अनुसार**उत्तराखंड** की समग्र आबादी को 6 मुख्य धर्म के अनुसार बंटा गया है|[5]**राज्य में सर्वाधिक हिन्दू अनुयायी** 72.12,260 (84.46%) **है जबकि मुस्लिम आबादी** प्रदेश मे 11.927. ईसाई(0.321%)सिक्ख 2.50% **तथा बौद्ध** 1147 जैन(0.11%) तथा अन्य है, राज्य में हिन्दुओ का सर्वाधिक प्रतिशत (99.27 %) रुद्रप्रयाग जनपद मे स्थित है, **सर्वाधिक दशकीय वृद्धिदर**(43.50%) मुस्लिम समाज मे पायी गयी है|

उत्तराखंड मे जिलेवार सिख जनसंख्या का विवरण

क्र०	जनपद	वर्ष 2001	वर्ष 2011
1.	हरिद्वार	613	801
2.	उधमसिंह नगर	486	649
3.	देहरादून	415	549
4.	अल्मोड़ा	201	198
5.	नैनीताल	179	225
6.	टिहरी गढ़वाल	166	170
7.	पौड़ी गढ़वाल	131	129
8.	चम्पावत	127	147
9.	रुद्रप्रयाग	115	122
10.	बागेश्वर	110	116
11.	पिथौरागढ़	65	68
12.	चमोली	46	49
13.	उत्तरकाशी	37	41
	उत्तराखंड	**159**	**189**

2011 की जनगणना के अनुसार उत्तराखंड की जनसंख्या मे से 236340 व्यक्ति (2.94%) सिख समुदाय के अनुयायी है, जिसमे 180370 व्यक्ति ग्रामीण तथा 55970 व्यक्ति नगरीय क्षेत्रो में निवास कर रहे है, सर्वाधिक 9.87, सिक्खों की जनसंख्या उधमसिंह नगर जिले में है[6]। देहरादून में 2.15%सिख व नैनीताल व हरिद्वार में क्रमशः182तथा.92 आबादीसिख समुदाय की है, पर्वतीय जिलो मे 0.20% से भी कमसंख्या है |

सिख आबादी का तहसील स्तर पर अगर वितरण देखे तो प्रदेश में (5.13%) तहसीलों में सिख आवादी शून्य है | जबकि (76.92%) तहसीलो में से कम 1% से कम सिख आबादी है, (1.01 से 5%) सिख जनसंख्या (8.97%) तहसीलों में है |राज्य की कुल तहसीलो में से (5.13%) तहसील (काशीपुर, किच्छा, गदरपुर तथा खटीमा) ऐसी है जहां 5.01 से (10%) ही सिख समुदाय रहता है| (10.01%) मे अधिक सिख आबादी सितारगंज, बाजपुर तथा जसपुर तहसीलों मे दर्ज की है,स्वतंत्रता प्राप्ति के समय पंजाब एवं सिंध प्रान्त के लोग शरणअथियो के रूप मे उत्तराखंड के तराई – भाभर मे बसाये गये थे |संख्या मे कम होने के बाद भी सिख समुदाय ने कठोर परिश्रम के बल पर उस दौर मेपरिवर्तित कर दिया ,आज कृषि एवं उद्योग की दृष्टि से यह क्षेत्र राज्य मे प्रमुख स्थान रखता है |

सिख आबादी का तहसील स्तर पर वितरण-

क्षेत्र	वर्ग (%)	संख्या	%	तहसील
0	00	4	5.13	घनसाली ,भनोली,मोरी तथा कांडा
न्यूनतम	1.0 से कम	60	76.92	विकासनगर,लालकुआं,रूडकी,जोशीमठ,पूर्णागिरी,नैनीताल,कोटद्वार,चकराता,श्रीनगर,टिहरी, भटवाडी,नरेंद्रनगर,रानीखेत,कर्णप्रयाग,पिथोरागढ़,अल्मोड़ा,डुंडा,चिन्यालीसौड,चमोली, डीडीहाट,मुन्शियारी,धारचूला,कालसी,पाटी,चौबत्ताखाल,चम्पावत,बेतालघाट,बागेश्वर, लैंसडाउन,द्वाराहाट,धनौल्टी,बेरीनाग,लोहाघाट,कोश्यारीकुटोली,जखोली,देवप्रयाग,धुमाकोट, रुद्धप्रयाग,पौडी,सतपुली,थैलीसैण,सोमेश्वर,त्यूनी,थराली,गरुण,जैती,पुरोला,उखीमठ,यम्केस्वर, सल्ट,जाखडिधार,धारी,भिकियासैण,पोखरी,प्रतापनगर,राजगढ़ी,गंगोलीहाट,चौखुटिया,गैरसैण तथा कपकोट
न्यून	1.01-5.0	7	8.97	कालाढूंगी,रामनगर,देहरादून,ऋषिकेश,लक्सर,हल्द्वानी तथा हरिद्वार
मध्यम	5.01-10.0	4	5.13	गदरपुर,काशीपुर,खटीमा तथा किच्छा
उच्च	10.01 से अधिक	3	3.85	सितारगंज,बाजपुर तथा जसपुर
	कुल	78	100.00	.....

2011 की जनगणनाकेअनुसार समग्र रूप से उत्तराखंडमें सिख सम्प्रदाय में प्रतिहजार पुरुषो में 912 महिलाएं है | बागेश्वर जिले में सर्वाधिक (1706) महिलायें है, सबसे कम महिलाएँ (452) उत्तरकाशी जिले में है | लिगानुपात में उतार चढाव का एक प्रमुख कारण पुरुषों का मैदानी भागों मे परिवार को छोड़कर व्यवसाय करनाहो सकता है, रुद्रप्रयाग व बागेश्वर जिले हीइसके अपवाद है | जहाँ सिख महिलाये अधिक है,(23.1%) तहसीलो में प्रति एक हजार पुरुषो मे 400 से कम सिख महिलाए थी जबकि 11.5% तहसीलों मे 401 से 800 के बीच महिलाएँ,प्रति एक हजार पुरुषों में 601 से 800 महिलाएं 18.7% तहसीलों मे है, जबकि एक तिहाई से अधिक(34.6%) तहसीलों में 801 से 1000 महिलाएं प्रति एक हज़ार पुरुष पर है|[7] राज्य में (14.1%) तहसीले ऐसी है,जहाँ प्रति एक पुरुषों पर 1001 से अधिक महिलाएं है |जखोली,रुद्रप्रयाग,बागेश्वर,भिकियासैंण, गरुड, चौखुटिया, थराली,राजगढ़ी,त्यूनी यम्केस्वर तथा गंगोलीहाट तहसीलो में महिलाओ की स्थिति संख्या की दृष्टि से संतुलित है|

सत्र	वर्ग	संख्या	%	तहसील
0	0	5	6.4	पुरोला,जाखडिधार,मोरी,कांडा,कपकोट|
बहुत कम	00-400	13	16.7	धुमाकोट,कोश्याकुटोली,लैंसडाउन,मुनस्यारी,देवप्रयाग,सतपुली,सोमेश्वर,बेरीनाग, चम्पावत,डीडीहाट,भटवाडी,घनसाली,जोशीमठ|
कम	401-600	9	11.5	पाटी, रूडकी, श्रीनगर,पोखरी,प्रतापनगर,रानीखेत,सल्ट,पौडी,धारचूला|
मध्यम	601-800	13	16.7	डुंडा,चिन्यालीसौड,लालकुआं,पूर्णागिरी,धारी,कर्णप्रयाग,धनौल्टी,नरेंद्रनगर,टिहरी, चकराता,,चमोली,लोहाघाट|
औसतसे अधिक	801-1000	27	34.6	गैरसैण,उखीमठ,थेलीसेड,जैती,भनोली,रामनगर,सितारगंज,पिथोरागड़,गदरपुर,जसपुर, किच्छा,कालाढूंगी,बाजपुर,देहरादून,हल्द्वानी,खटीमा,काशीपुर,द्वाराहाट,ऋषिकेश, लक्सर,हरिद्वार, विकासनगर,चोबत्ताखाल,कोटद्वार,अल्मोड़ा,नैनीताल,कालसी |
उच्च	1001-1200	3	3.8	जखोली रुद्रप्रयाग तथा बागेश्वर|
उच्चतम	1201- अधिक	8	10.3	भिकियासैंण,गरुण,चोखुटिया,थराली ,राजगढ़ी, त्यूनी,यम्केस्वर,गंगोलीहाट|
	कुल	78	100.0	

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि उत्तराखण्ड में सिखों का निवास प्राचीन काल से रहा है,उनकी संस्कृतियों एवं सरहनीय कार्यो से उत्तराखण्ड का नाम हमेशा रोशन होता रहा है | सिख समुदाय विकास के हर क्षेत्र में आगे रहते है |इसी प्रकार उत्तराखंड मे अनेक वर्ग, संस्कृति के लोग भी है, इन विभिन्न संस्कृतियों की मौजूदगी के कारण ही उत्तराखण्ड को छोटा भारत या मिनी इण्डिया कहते है |

लेखक - राजेश्वरी वर्मा (शोधार्थी) इतिहास विभाग,कुमाऊँ यूनिवर्सिटी नैनीताल

निर्देशक- हेम चन्द पांडये, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर (इतिहास विभाग) कुमाऊँ यूनिवर्सिटी नैनीताल

सन्दर्भ-

1. Scotbusy by Bandley- april 15, 2019 Damagraphy
2. छतीसगढ़ज्ञान.इन भारत मे जनगणनाका इतिहास एवं वर्तमान
3. जनसँख्या एवं समाज(e- book)पृष्ठ-256
4. समाज शास्त्र, अवधारानाये एवं सिद्धांत पृष्ठ-561 (जे०पी० सिंह)
5. उत्तराखंड जनसँख्या परिदृश' एव परिवर्तन बी आर पन्त,आर० चन्द,बी० एस० मेहता पृष्ठ-83
6. उत्तखंड समग्रज्ञान कोष- डॉ राजेन्द्र प्रशाद बलोदी पृष्ठ-107
7. उत्तराखंड जनसँख्या परिदृश' एव परिवर्तन बी आर पन्त,आर० चन्द,बी० एस० मेहता पृष्ठ-97